माटी की मटकी राम राम बोल चेतावनी भजन लिरिक्स

माटी की मटकी राम राम बोल,
राम राम बोल हरी हरी बोल,
माटी री मटकी राम राम बोल।bd।

गर्भवास में उलटा लटकया,
गर्भवास में उलटा लटकया,
बाहर आयो तु कर कर कौल,
माटी री मटकी राम राम बोल।bd।

ऊपर से तु चिकनी चुपडी,
ऊपर से तु चिकनी चुपडी,
भीतर से साँची साँची बोल,
माटी री मटकी राम राम बोल।bd।

बाहर जगत में आकर नाम न लिना,
बाहर जगत में आकर नाम न लिना,
आगे करे ना कोई कौल,
माटी री मटकी राम राम बोल।bd।

कहत कबीरा सुनो भाई साधो,
कहत कबीरा सुनो भाई साधो,
अब तो मुख शब्द बोल,
माटी री मटकी राम राम बोल।bd।

माटी की मटकी राम राम बोल,
राम राम बोल हरी हरी बोल,
माटी री मटकी राम राम बोल।bd।

गायक – रामेश्वर देवल।
प्रेषक – धरम चन्द नामा(नामा म्युजिक)
9887223296

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com